किसी तरफ से कोई सुझाव आता है, हम उस कसौटी के आधार पर जांच करेंगे और जांच करने के बाद यदि हाल्ट दे सकेंगे तो देंगे, अन्यथा नहीं देंगे।

श्री रामजी लाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का सवाल है। आप मेरी बात सुन लीजिये। यह ट्रेन रोकने का मसला कोई राष्ट्रीय सवाल नहीं है। आप को यह जानकारी होनी चाहिये कि यह श्री शम्भुनाथ चतुर्वेदी और मेरे संसदीय क्षेत्र का सवाल है। . . . (**व्यवधान**). . . . . जब हम सवाल पूछते हैं तो आप नैक्स्ट क्वेश्चन कह देते हैं। मेरा निवेदन यह है कि मेरा संसदीय क्षेत्र इस से प्रभावित होता है। इसलिए मुझे इस बारे में सवाल पूछ लेने दीजिये।

MR. SPEAKER: You have put the question.

श्री रामजी लाल सुमन : हमारे क्षेत्र के लोगों के लिये इस ट्रेन का विशेष महत्व है। इसलिए विनम्र निवेदन है कि मेहरबानी कर के मुझे सवाल पूछ लेने दीजिये।

MR. SPEAKER: There is no point of order.

श्री रामजी लाल सुमन : इस में कहां की तुक है। मैं नहीं बैठूंगा।

वर्ष 1978–79 में चलायी जाने वाली जनता रेलगाड़ियां

*685. **श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1978–79 में पूरे देश में कितनी जनता रेलगाड़ियां चलाई जायेंगी;

(ख) क्या सरकार, का विचार अमृतसर-मुरादाबाद-हावड़ा लाइन/रूट पर इस की महत्ता को देखते हुए जनता रेल गाड़ियां चलाने का है; और

(ग) यदि हां, तो कब तक ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दण्डवते) : (क) 1978–79 के दौरान अब तक 145–146 मद्रास-अहमदाबाद नवजीवन एक्सप्रेस 6-4-79 से चलायी गयी हैं, जो श्रेणी रहित गाड़ी हैं। अक्तूबर, 1978 में जब समय-सारणी में संशोधन किया जायेगा, तब और अधिक श्रेणी-रहित गाड़ियां चलाने के प्रस्ताव पर विचार किया जायेगा।

(ख) और (ग). हावड़ा और अमृतसर के बीच एक अतिरिक्त गाड़ी चलाना फिलहाल परिचालनिक दृष्टि से व्यावहारिक नहीं है।

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा : माननीय अध्यक्ष महोदय, जैसा कि माननीय मंत्री जी ने बताया है कि एक अतिरिक्त गाड़ी हावड़ा और अमृतसर के बीच में चलाना व्यावहारिक नहीं है, मैं यह कहना चाहता हूं कि मुरादाबाद डिवीजन की अमृतसर और हावड़ा के बीच में पिछले 30 वर्षों से लगातार अवहेलना की गई है। मैं माननीय मंत्री जी से यह कहना चाहूंगा कि यह जो मांग की गई है यह मांग बिल्कुल न्यायोचित है। वहां पर ट्रफिक इतना अधिक बढ़ चुका है कि उस को ध्यान में रखते हुए एक ट्रेन, जिस को जनता ट्रेन के नाम से सम्बोधित किया गया है, चलाना बहुत जरूरी है और मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि ट्रेफिक को देखते हुए और ट्रफिक के आंकड़ों के आधार पर क्या वे वहां पर ट्रेन चलाने की व्यवस्था निश्चित रूप से करेंगे ?

प्रो० मधु दण्डवते : माननीय सदस्य ने जो आंकड़े दिये हैं, व सही हैं और वहां पर ट्रेफिक डेंसिटी काफ़ी ज्यादा है और यातायात भी ज्यादा है लेकिन हम लोगों को दिक्कत यह है कि जहां तक अमृतसर स्टेशन का सवाल है, वहां करीब 76 पेसेन्जर ट्रेन्स जाती हैं और ऐसा होने की वजह से काफ़ी दिक्कत है लेकिन प्रसन्नता की एक बात मैं उन को बताना चाहता हूं और वह यह है कि आने वाली समय सारिणी में हम जांच

कर रहे हैं कि कहां कहां हम नई जनता ट्रेनें 'गीतांजलि' जैसी ट्रेनें चला सकते हैं जिन में सुविधाएं तो प्रथम श्रेणी की होंगी लेकिन वे द्वितीय श्रेणी की ट्रेनें होंगी और उन का द्वितीय श्रेणी का किराया होगा। इस प्रकार की जो नई ट्रेनें हम चलाने का विचार कर रहे हैं, वे हावड़ा, पटना, वाराणसी, लखनऊ, लुधियाना और जम्मू तक जाया करेंगी और भुवनेश्वर से सिकन्दराबाद, सिकन्दराबाद से बम्बई, पोरबन्दर, भावनगर से अहमदाबाद, इस प्रकार की गाड़ियों के लिए हम विचार कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि अगर इन्तजाम ठीक हो जाएगा, तो ये सब गाड़ियां शुरू करने में हमें सुविधा रहेगी।

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा : माननीय मंत्री जी ने जो स्टेटमेंट दिया है, उस के लिए मैं उन को बधाई देता हूं। इस के साथ ही यह कहना चाहता हूं कि मंत्री जी ने जो यह कहा कि अमृतसर से बहुत सी ट्रेनें छूटती हैं, उन की जानकारी के लिए मैं स्पष्ट कह देना चाहता हूं कि अमृतसर से जाने वाली ट्रेनें अधिकतर दिल्ली हो कर जाती हैं और मुरादाबाद डिवीजन और लखनऊ डिवीजन को लगातार, जैसा मैंने पहले कहा है, पिछले 30 वर्षों से इग्नोर किया गया है, एवायड किया गया है और उन्होंने इस बात को स्वीकार कर लिया है कि आगे वाली योजना के अन्तर्गत इस को और ट्रेनों से जोड़ेंगे। इस के लिए मैं उन को बधाई देता हूं। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि माननीय मंत्री जी जांच करवाएंगे तो यह पाएंगे कि दिन के समय मुरादाबाद डिवीजन में कोई भी ट्रेन ऐसी उपलब्ध नहीं है जो लखनऊ साइड या हावड़ा साइड या अमृतसर साइड की तरफ जाने वाली हो। इस चीज को ध्यान में रखते हुए कि वहां पर दिन के समय आम जनता को ट्रेनें उपलब्ध हो सकें क्या माननीय मंत्री जी जनता गाड़ियों के साथ अन्य गाड़ियों के चलाने की व्यवस्था वहां के लिए करेंगे ?

प्रो० मधु दंडवते : यह कार्यवाही के लिए सुझाव है, इस पर विचार करेंगे।

श्री एन० क० शेजवलकर : इसी संदर्भ में मैं माननीय मंत्री जी से यह निवेदन करना चाहता हूं कि सेन्ट्रल रेलवे पर कोई 50 वर्षों से केवल दो लाइनें दिल्ली से बम्बई की तरफ जाती हैं और उस के बारे में विचार करने के लिए उन्होंने आश्वासन दिया है क्योंकि बम्बई में केन्द्रीय टर्मिनल की कपेसिटी कम है, तो क्या एक्चुअली कंसिडर कर के वे ज्यादा से ज्यादा गाड़ियां चलाने के लिए शीघ्र ही कोई कार्यवाही करेंगे ?

प्रो० मधु दंडवते : जब श्री शेजवलकर खड़े हुए थे, तो उसी वक्त मुझे पता था कि ये क्या सवाल पूछने वाले हैं, इसलिए मेरा जवाब भी तैयार है। मैंने उन के साथ बातचीत भी की थी कि बम्बई पर टर्मिनल की सेटूरेशन कैपसिटी होने की वजह से वहां से गाड़ी नहीं निकल सकती। दिल्ली जाने के लिए सेन्ट्रल रेलवे पर लेकिन साऊथ की तरफ जाने वाली गाड़ियां बम्बई वी० टी से जो चल रही थी वे दादर से भी चलने लगी हैं और दादर की कैपेसिटी भी कम्पलीटली सेटूरेशन प्वाइन्ट पर आ गई है। ऐसा मैंने उनको वायदा किया है कि कल्याण या नासिक से दिल्ली तक जाने वाली सेन्ट्रल रेलवे की कोई गाड़ी हो सकती है या नहीं, उस पर हम विचार कर रहे हैं।

Wagon Allotment to Salt Industry

*686. SHRI ANANT DAVE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether any Memorandum from the Gandhidham Chamber of Commerce regarding salt Wagons has been received;

(b) the details of figure given by the Chamber regarding wagons;

(c) the reasons for which the salt industry and Minerals industry are not getting wagons; and

(d) actions taken by the Government in this regard?